FA - II
Subject :- Sanskrit
Class – VII

FA II VII संस्कृत

6. आदर्शाः छात्राः

हिन्दी अनुवाद -

ये श्रेष्ठ कुल के और सभ्य छात्र होते हैं, वे माता - पिता और गुरु की वन्दना करते हैं, वे वृद्धों की सेवा करते हैं। जिनके आशीर्वाद से आयु बढ़ती है। वे उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे यश और बल की कामना करते हैं इसलिए सत्य कहा है कि -

वृद्धों की सेवा करने और उनका अभिवादन करने से और उनकी सेवा करने से आयु, विद्या, यश और बल इन चार गुणों में वृद्धि होती है।

वे छात्र अनुशासित होते हैं, विद्या अध्ययन के समय अनेक कष्ट सहन करते हैं और उत्तम विद्या प्राप्त करते हैं। वे विद्या धन प्राप्त करते हैं, वे सभा में सुशोभित होते हैं और गुणीजनों के बीच सम्मानित होते हैं। ऐसे छात्रों के पाँच लक्षण बताए गए हैं -

विद्यार्थियों में कौए के समान तीव्र - इच्छा, बगुले के समान एकाग्रता और कुत्ते के समान चपल निद्रा होनी चाहिए, विद्यार्थियों को कम भोजन ग्रहण करना चाहिए और घर छोड़ने के लिए भी तत्पर होना चाहिए।

जो छात्र इस समय की उपेक्षा करते हैं वे भविष्य में दुख पाते हैं परंतु जो परिश्रम करके विद्या प्राप्त करते हैं वे अपने जीवन में सुख प्राप्त करते हैं। इसलिए अच्छे जीवन की अभिलाषा करने वाले छात्र समय को व्यर्थ नहीं गँवाते हैं। वे अपने आचरण से अपना और अपने परिजनों का जीवन सँवारते हैं और उनके प्रिय बन जाते हैं। ये छात्र सज्जनों, सज्जनों विद्वानों अनुशासनप्रिय और शिष्टाचार युक्त लोगों की मित्रता पसंद करते हैं वे सद्गुणों को ग्रहण करते हैं और दुर्गुणों को छोड़देते हैं। उनका यश चारों दिशाओं में दिखाई देता है।

3. एकपदेन उत्तरत:-

1. सभ्या: छात्रा: किम् कुर्वन्ति?

उत्तर- अभिवादनम्।

2. विद्यया किम् लभ्यते?

उत्तर- ज्ञानम्/ विनयम्।

3. अध्ययनसमये छात्रा: किम् सहन्ते?

उत्तर- अनेकानि कष्टानि।

4. सभामध्ये के शोभन्ते?

उत्तर विद्यावन्त: / गुणिन:।

5. वृथा कालम् किमर्थं न यापयेत्?

उत्तर- अनुकूल जीवनाय।

6. आदर्शा: छात्रा: किम् गृहणान्ति?

उत्तर ज्ञानम्।

4. पूर्णवाक्येन उत्तरत-

1. केषाम् आशीर्वादेन आयु: वर्धते?

उत्तर मातु: पितु:, गुरुणाम् वृद्धजनानाम् च आशीर्वादेन आयु: वर्धते।

2. छात्राणाम् कानि लक्षणानि सन्ति?

उत्तर- छात्राणाम् पञ्चलक्षणानि सन्ति- काक चेष्टा, वकोध्यानम्, श्वान निद्रा, अल्पाहारी, गृहत्यागी च।

3. कदा जीवने सुखम् भविष्यति?

उत्तर यदा जीवने मनोयोग पूर्वकम् अध्ययनम् क्रियते, तदा जीवने सुखम् भविष्यति।

4. छात्रा: कै: कै: सह मित्रतां कुर्वन्तु?

उत्तर- छात्रा: सज्जनै: विद्वद्भि, अनुशासनप्रियै: शिष्टाचार युक्तै च सह मित्रताम कुर्वन्तु।

5. प्रश्न निर्माण करो-

1. सभ्या: छात्रा: <u>अनुशासिता:</u> भवन्ति।

प्रश्न- सभ्या: छात्रा: कीदृशा: भवन्ति?

P.T.O.

2. शिष्टाः छात्राः एव समृद्धिम् प्राप्नुवन्ति।
प्रश्न- शिष्टा छात्राः एव किम् प्राप्नुवन्ति ?
3. विद्याम् प्राप्य सुखम् अनुभूयते।
प्रश्न- विद्याम् प्राप्य किम् अनुभूयते ?
4. गुणिनः जनाः सर्वत्र भासन्ते।
प्रश्न- गुणिनः के सर्वत्र भासन्ते ?
5. सज्जनैः सह स्थातव्यम्।
प्रश्न- कैः सह स्थातव्यम् ?

6. संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए-

1. माता- पिता की वन्दना करें
अनु. मातृ-पित्रोः वन्दनाम् कुर्वन्तु।
2. गुरु के आशीर्वाद से आयु बढ़ती है।
अनु. गुरोः आशीर्वादेन आयु वर्धते।
3. विद्या से धन की प्राप्ति होती है।
अनु- विद्यया धनस्य प्राप्तिः भवति।
4. अनुशासन से समय बर्बाद नहीं होता।
अनु- अनुशासनेन समयः नष्ट न भवति।
5. शिष्ट और अनुशासित छात्र सफल होते हैं।
अनु शिष्टाः अनुशासिताः च छात्राः सफलाः भवन्ति।
6. गुणी लोगों का यश चारों दिशाओं में फैलता है।
अनु. गुणिजनानाम् यशः दिक्षु प्रसरति।
7. हम सभी आदर्श छात्र बनेंगे।
अनु वयम् आदर्शाः छात्राः भविष्यामः।

7. वृद्धव्याघ्रस्य कथा

हिन्दी अनुवाद -

दक्षिण दिशा में स्थित किसी एक जंगल में एक बूढ़ा बाघ रहता था। जब वह पशुओं को मारकर खाने में असमर्थ हो गया तब वह सोने का कंगन हाथ में लेकर नदी के किनारे बैठ गया।

वह ज़ोर से बोला हे पथिक! सुनो मृत्यु के मुख में जाने से पूर्व मैं दान करना चाहता हूँ। यह सोने का कंगन ले लो। परन्तु कोई भी राहगीर ने उस बाघ पर विश्वास नहीं किया। सभी ने सोचा कि सबको मारने वाला यह क्रूर बाघ सोने के कंगन का लालच दे रहा है।

एक बार कहीं से एक ब्राह्मण आया। बाघ ने ब्राह्मण से भी वही कहा। बाघ के वचन सुनकर वह लालची आकर्षित हो गया। वह सोचने लगा: "मेरे भाग्य में ही यह संभव होगा' उसने बाघ से पूछा- "कहाँ है तुम्हारा कंगन?" बाघ ने हाथ फैलाकर उसे दिखाया। ब्राह्मण ने फिर पूछा- "तुम हिंसक हो तुम्हारा विश्वास कैसे किया जाए?"

यह सुनकर बाघ ने उसका विश्वास पक्का करने के लिए कहा- "सुनो हे ब्राह्मण! जवानी में मैं हिंसक था। हिंसा के कारण मेरा परिवार नष्ट हो गया। अब मैं वंशहीन हूँ, दानशील हूँ और धार्मिक भी हो गया हूँ। तुम निर्धन दिखाई देते हो इसलिए यह कंगन मैं तुम्हें देना चाहता हूँ। शीघ्र ही नदी में नहाकर यह सोने का कंगन लेकर चले जाओ। ऐसा करके मैं पुण्य प्राप्त करना चाहता हूँ।

लोभवश उस ब्राह्मण ने बाघ को नाखुनों और दाँतों से विहीन जानकर बूढ़ा समझ लिया और नदी में नहाने चला गया। वहाँ वह दलदल में फँस गया। उसे कीचड़ में धँसते हुए देखकर बाघ उठकर इसके

पास आ गया। वापस आने में असमर्थ ब्राह्मण भयभीत होकर सोचने लगा – "कि मैंने यह उचित नहीं किया जो इस बाघ पर विश्वास किया।" बाघ उसके पास आया और ब्राह्मण को खाकर प्रसन्न हो गया।

इसलिए सत्य ही कहा गया है –

लोभ से क्रोध उत्पन्न होता है लोभ से तृष्णा जाग्रत होती है और लोभ से मोह का नाश होता है। अतः लोभ ही पाप का कारण होता है।

2. एक पद में उत्तर दो.

1. दक्षिणारण्ये कः आसीत्?

उत्तर- वृद्धव्याघ्रः।

2. व्याघ्रः किम् कर्तुम् असमर्थः आसीत्?

उत्तर- पशुवधम्।

3. कः तत्रागच्छत्?

उत्तर पथिकः।

4. व्याघ्रस्य हस्ते किम् आसीत्?

उत्तर- सुवर्णमय कङ्कणम्।

5, कस्मात् वशीभूतः ब्राह्मणः स्नातुम् प्रविशति?

उत्तर लोभात्।

6. व्याघ्रः पथिकस्य समीपम् गत्वा किम् अकरोत्?

उत्तर- पथिकः भक्षणम्।

3. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए-

1. नद्याः तीरे स्थितः व्याघ्र किम् अवदत्?

उत्तर- व्याघ्र अवदत्- "भो! भो! पथिकाः! शृणुत, मृत्युमुखे गच्छन् अहम् दानम् कर्तुम् इच्छामि। गृह्यताम् इदम् सुवर्ण कङ्कणम्।"

2. सर्वे जनाः किम् अचिन्तयन्?

उत्तर- सर्वे अचिन्तयन्- "सर्वेषां हन्ता एषः क्रूरः व्याघ्रः स्वर्ण-कङ्कणस्य लोभं दर्शयतीति।"

3. ब्राह्मणः किम् अचिन्तयत्?
उत्तर- ब्राह्मणः अचिन्तयत् - "मम भाग्येनैव एतत् संभवति"।
4. व्याघ्रः कीदृशः आसीत्?
उत्तर- व्याघ्र वस्तुतः हिंसकः क्रूरः च आसीत्। सः स्वार्थम् साधयितुम् दानशीलतायाः प्रपञ्चम् अरचयत्।
5, लोभात् वशीभूतः ब्राह्मणः किम् अकरोत्?
उत्तर- लोभात् वशीभूतः ब्राह्मणः व्याघ्रम् नखदन्तविहीनं वृद्धं इति मत्वा नद्याम् स्नातुम् प्राविशत्।

अष्टमः पाठः
संख्या

प्रश्न:- संस्कृत में अनुवाद कीजिए -

(1) मैं सातवीं कक्षा का छात्र हूँ।
अनु· अहम् सप्तम्याः कक्षायाः छात्रः अस्मि।
(2) आज पाँचवीं तिथि है।
अनु· अद्य पञ्चमी तिथिः अस्ति
(3) तुम्हारी तीसरी बहन का क्या नाम है?
अनु· तस्मिन् तृतीयायाः भगिन्याः किम् नाम अस्ति?
(4) इस शहर में मेरा दसवाँ दिन है।
अनु· अस्मिन् नगरे मम दशमः दिवसः अस्ति।
(5) कक्षा में मेरा चौदहवाँ अनुक्रमांक है।
अनु· कक्षायाम् मम चतुर्दशः अनुक्रमांकः अस्ति।
(6) आज उपवास का दूसरा दिन है।
अनु: अद्य उपवासस्य द्वितीयः दिवसः अस्ति।
(7) पहला वेद कौन सा है?
अनु· प्रथमः वेदः कः अस्ति?
(8) पुस्तक में आठवाँ पाठ कौन-सा है?
अनु· पुस्तके अष्टमः पाठः कः अस्ति?
(9) यह नगर की चौथी वाटिका है।
अनु· इयम् नगरस्य चतुर्थी वाटिका अस्ति।
(10) मेरा बारहवाँ जन्म-दिवस है।
अनु· मम द्वादशः जन्म-दिवसः अस्ति।

****